नयनों में समाये हुए बच्चों से नैन मिलन कर रहे बापदादा ने ऐसे बच्चों की महिमा की है

बापदादा ने कहा कि जो अति प्रिय वस्तु होती है, वह समीप स्थान पर होती है। इसी रीति नयनों में समाये हुए ऐसे बच्चों की निम्नलिखित विशेषताएँ होंगी:

1. ऐसे बच्चों की दृष्टि में बाप–दादा और ब्राह्मण ही हैं और ये ही उनकी सृष्टि है।
2. वे और कुछ भी देखते हुए देखते नहीं हैं।
3. वे बाप के लव (*Love*) में सदा लवलीन रहते हैं।
4. सदा बाप के गुणों अर्थात् ज्ञान, सुख, आनन्द के सागर में समाए हुए रहते हैं।
5. ऐसे बच्चों का बाप के पास समीप से समीप स्थान सदा के लिए फिक्स है, चाहे वे शरीर से कितना भी दूर हों।

05.01.77

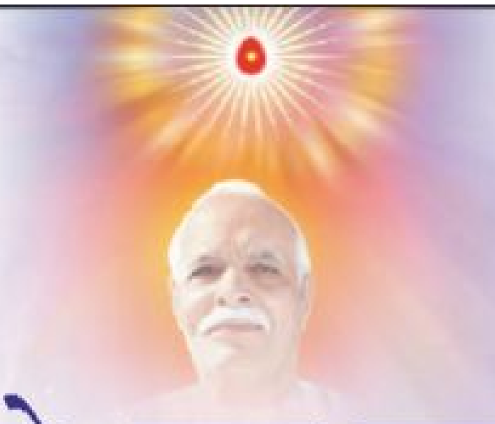

प्रश्न हमारे, उत्तर बापदादा के

प्रश्न : मीठे बाबा, आपने एक ही शब्द याद दिलाया है, वह कौन-सा शब्द है?

उत्तर : मीठे बच्चे, एक ही शब्द याद दिलाया है, वह एक शब्द है–**पास** ।

1. पास (Pass) होना है।
2. पास (Near) रहना है।
3. और जो कुछ बीत जाता है, वह पास (Pass/past) हो गया।

एक शब्द के तीन अर्थ हैं। ये ही (पढ़ाई में) Short Cut (छोटा रास्ता) हो जाएगा; और पास विद् ऑनर (Pass With Honour) (सम्मान पूर्वक सफलता पाना) होना है।

05.01.77

मन की बात... बापदादा के साथ

मैं आत्मा :-

प्यारे बाबा, समाने की शक्ति की यथार्थ निशानी क्या होगी?

बापदादा :- **मीठे बच्चे,**

समाने की शक्ति के आधार से ही बाप-समान स्टेज कही जाती है। ऐसी स्टेज को विश्व-कल्याणकारी स्टेज कहा जाता है। ऐसी दृष्टि और स्मृति में रहने वाला ही विश्व-कल्याणकारी कहा जाता है

समाना अर्थात्:

- संकल्प रूप में भी किसी की व्यक्त बातों और भाव का आंशिक रूप समाया हुआ न हो।

- अकल्याणकारी बोल कल्याण की भावना में ऐसे बदल जाए, जैसे अकल्याण का बोल था ही नहीं।

- किसी का भी कोई अवगुण देखते हुए एक सेकेण्ड में उस अवगुण को गुण में बदल दें। नुकसान को फायदे में बदल दें। निन्दा को स्तुति में बदल दें।

- विश्व-कल्याणकारी ही नहीं, लेकिन स्वयं-कल्याणकारी भी बनें।

05.01.77

5-1-77
अव्यक्त वाणी का
मुख्य बिंदु

नयनो मे समाये हुए बच्चों से बापदादा ने कहा

जो बच्चे बापदादा को अपने नयनों मे समाते है ऐसे बच्चों का बाप के पास समीप से समीप स्थान सदा के लिए फिक्स है, चाहे वे शरीर से कीतना भी दुर हो

05-01-77 की अव्यक्त वाणी से स्वमान

मैं विश्व-कल्याणकारी आत्मा हूँ।

विश्व-कल्याणकारी अर्थात् एक सेकेण्ड में अवगुण को गुण में, नुकसान को फायदे में, निन्दा को स्तुति में बदलने वाली।

05-01-77
त्यागी और तपस्वी बच्चे सदा पास है
PASS WITH HONOUR
त्यागी और तपस्वी
बाप-दादा के नयनों में समाये हुए बच्चे कुछ भी देखते हुए देखते नहीं हैं। वे बाप के लव (LOVE) में सदा लवलीन रहते हैं।
बाप-दादा ने एक ही शब्द याद दिलाया है, वह एक शब्द है - पास
*पास होना है
*पास रहना है और
*पास हो गया